LOK SABHA

Tuesday, the 14th May, 1957

The Lok Sabha met at Eleven of the Clock

[MR. SPEAKER *in the Chair*]

MEMBER SWORN

Shri M. V. Krishnappa (Tumkur).

QUSTION OF PRIVILEGE

Shri S. C. Samanta (Tamluk): Sir, on a point of privilege I have to draw your kind attention to the fact...

Mr. Speaker: Just one word. The hon. Member is an old Member of this House. He knows too well how a question of privilege has to be raised. He may write to me. Then, if I consider that it is a matter of privilege, I shall take suitable action thereon.

The House will now take up questions. Many of the hon. Members are new and they will only be helping me by giving out their names, and then I shall call them.

QUESTIONS AND ANSWERS

काश्मीर के सम्बन्ध में श्री जारिंग की रिपोर्ट

*१ { **श्री श्रीनारायण दास :**
श्री डी० चं० शर्मा :
श्री श्रद्धाकर सुपाकर :
पंडित मु० बि० भार्गव:
श्री पी० सी० बोस :
श्री बोडयार :
श्री विभूति मिश्र :

क्या **प्रधान मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या काश्मीर के सम्बन्ध में श्री गुनार जारिंग द्वारा सुरक्षा परिषद् को पेश की गयी रिपोर्ट की प्रति भारत सरकार को मिल चुकी है; और

(ख) यदि हां, तो क्या इसकी एक प्रति सभा-पटल पर रखी जायेगी ?

प्रधान मंत्री तथा वैदेशिक कार्य मंत्री (श्री जवाहरलाल नेहरू) : (क) जी हां ।

(ख) रिपोर्ट की एक नक़ल मेज पर रख दी गई है । **[देखिये परिशिष्ट १, अनुबन्ध संख्या १]**

श्री श्रीनारायण दास : क्या प्रधान मंत्री महोदय यह बतलाने की कृपा करेंगे कि श्री जारिंग ने कहीं किसी जगह इस तरह का विचार व्यक्त किया है कि उन्हें भारत सरकार ने काश्मीर जाने की अनुमति नहीं दी ? अगर नहीं तो पाकिस्तान प्रेस में जो इस तरह का समाचार छपा है उसके खंडन के लिये क्या किया गया है ?

श्री जवाहरलाल नेहरू : जी नहीं, श्री जारिंग ने इस तरह का विचार कहीं प्रकट नहीं किया है और यह बिलकुल गलत बात है । हमने तो उनसे कहा था कि अगर आप काश्मीर जाना चाहते हैं तो बखुशी से जायें, उन्होंने कहा था, खाली हमसे नहीं बल्कि जहां तक मुझे मालूम है पाकिस्तान की गवर्नमेंट से भी कहा था, कि काश्मीर के किसी हिस्से में नहीं जाना चाहते, न उस हिस्से में जो कि पाकिस्तान के क़ब्जे में है और न बाक़ी काश्मीर में, चुनांचे जाने का सवाल ही नहीं उठा । हम तो खुश होते अगर वह जाते ।

Shri B. S. Murthy: Could we have the English rendering of the answer?